





गोमयभुनेषु  
च वसिष्ठेः

उत्तर २६३ यक्षप्रश्नः १  
महाभारत  
गर्भ १३३ अजयगर्भ ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 वागीश्वरः ॥ १ ॥ अदभुतः ॥ १ ॥ एवं प्रणमं विनायक  
 यदि ॥ १ ॥ शैवः ॥ १ ॥ अथ सनपय मेवगे  
 वङ्गमिधुनैवेहं ॥ भागीश्वर भवेत् ॥ १ ॥ उदयग  
 मभीये सुत्राणि नैवेहं ॥ अथ प्रणमं वैश्वदेवदि  
 निहकमं गेगुसादि ॥ कलमथ सुं ॥ सुपत्रे  
 मि ॥ १ ॥ कलसं ॥ मनुजः ॥ १ ॥ उडिगेसादिः ॥  
 दभुतमनिवाभतसिमि ॥ मन्वेवमनुगुनेरी  
 धुक्तेवनिलेसरु सुवपेभुतेधुलंभवम ॥ सु  
 र्गोदमिअयेउग ॥ कपडिदाहनुकभुतिकं  
 मचंचवृणामिमागनिलयंभुतेडिगदयभा  
 मकीष्टेः ॥ मणिरुष्टेः ॥ १ ॥ अडिधु ॥ १ ॥ अमुपर  
 ऊमाव ॥ मष्टुदपये ॥ विष्टवे ॥ १ ॥ मङ्गयेर  
 उडुउमं ॥ नभेसुभु ॥ सुयिभुवि ॥ सुवष्टे ॥ १  
 वन ॥ १ ॥ वसुकेय ॥ सुप्रय ॥ १ ॥ अदय ॥  
 गवेठगेगव ॥ वागीश्वर ॥ १ ॥ भावगभिअष्ट ॥ ॥ ॥



